



The aim of Sustainable Development Goal 10 is to reduce income inequality, promote social, economic, and political inclusion of all, regardless of age, sex, disability, race, ethnicity, origin, religion, or economic or other status. This goal targets various forms of inequality, including those related to income, social status, gender, disability, and regions within and among countries. Dr. Bhimrao Ambedkar University contributes to SDG 10 in the following ways.

Community radio

The University boasts its own Community Radio (CR) well known as "AGRA KI AWAZ", a distinctive feature that serves as a powerful tool for connecting with students, faculty, the community and other

stakeholders. The radio's programs address a wide array of topics ranging from gender, social, and national, to environmental issues. Additionally, it plays a crucial role in promoting and imparting skill education, providing insights into various subjects and offering career counselling. Moreover, the radio conducts interviews with diverse voices, including scholars, professors, subject experts and government

officials, amplifying their perspectives and insights. These interviews are then circulated through media channels, ensuring that they reach every stakeholder effectivelyEstablished in October 2010, CR 90.4 "Agra ki Awaz" is the first community radio station in any State Govt. Aided University of Uttar Pradesh. Operating as an autonomous and non-commercial entity with

the motto "For the People. By the People", CR 90.4 transmits at 90.4 MHz with a 50-watt transmitter, broadcasting for six hours daily, primarily focusing on quality education, health awareness, government schemes, gender equality, professional and economic growth.

It serves as a platform for disseminating knowledge, fostering dialogue and promoting social cohesion within the local community. Addressing issues such as health, education, development and awareness, it also provides entertainment for both university students and local talent. CR 90.4 has become an integral

part of the University, reflecting the community's hopes, aspirations, problems and concerns while encouraging active listener participation.

Engaging with Local Issues: The station facilitates discussions, debates and interviews on topics relevant to the community, including education, healthcare, environment, tourism, infrastructure and governance. By providing a platform for dialogue, it promotes civic participation and empowers listeners

to voice their opinions and concerns.

Disseminating Educational Content: DBRAU utilizes the station to disseminate educational content to students, faculty and the wider community. It broadcasts lectures, seminars, workshops and educational

programs on various subjects, complementing traditional classroom instruction and promoting lifelong learning opportunities.

Supporting Local Development Initiatives: CR 90.4 actively supports local development initiatives and community outreach programs undertaken by DBRAU. It raises awareness about university-led projects, research findings, community service activities and extension programs aimed at addressing social, economic and environmental challenges in the region.

Showcasing Youth Potential: The station serves as a platform for showcasing the talents, initiatives and aspirations of young people in the community. It celebrates Agra's cultural heritage by featuring programs on local folklore, music, cuisine, historical landmarks and cultural events.

Promoting Regional Language and Literature: CR 90.4 promotes the use of regional languages such as Hindi, Urdu and Braj Bhasha, thereby preserving and promoting local literature, poetry and dialects, contributing to the preservation of linguistic and cultural heritage.

Empowering Marginalized Communities: The station amplifies the voices and concerns of marginalized and underrepresented communities, promoting social inclusion and diversity. Its programming highlights the experiences, perspectives and aspirations of marginalized groups, empowering them to advocate for their rights and interests.

Facilitating Collaboration and Networking:

CR 90.4 fosters collaboration with local stakeholders, facilitating partnerships for sustainable development. It enhances DBRAU's community engagement, promoting cultural heritage, facilitating educational outreach and contributing to regional development. This underscores the university's commitment to public service and holistic stakeholder development.





Lecture delivered by Dr. Purnima Singh, Gynecologist,

Pushpanjali Hospital, Agra on "Swasth Naari Sashkt Naari"





Program on "Stress Evaluation and Management"



Seminar on "Swasth Naari and Sashkt Naari"



डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

संख्याः प्रशा०/(27/24

दिनांक : 28/02/2024

कार्यालय आदेश

विश्वविद्यालय में सामाजिक समन्वय के तहत ट्रॉन्सजेंडर विद्यार्थियों के शैक्षणिक माहौल को अनुकूल बनाने, शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने, सामाजिक जीवन में आने वाली दुश्वारियों का समाधान करने, विश्वविद्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविधियों बढाये जाने एवं कौशल विकास के साथ ही आत्म निर्मर बनाये जाने हेतु मां0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 28.02.2024 को ट्रॉन्सजेंडर सेल गठित किया गया है, जिसके सदस्य निम्नवत हैं:—

- 1. प्रो0 हेमा पाठक समन्वयक
- 2. प्रो0 रनवीर सिंह, सदस्य
- 3. डा० स्वाती माथुर, सदस्य
- 4. श्रीमती पूजा सक्सैना, सदस्य

अतः उपरोक्त समिति को निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय में ट्रॉन्सजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का ससमय निवारण करना सुनिश्चित करें।

कुलसचिव

Establishment of Transgender Cell in Dr Bhimrao Ambedkar University Agra





Dr. Bhimrao Ambedkar University's Vice Chancellor Prof. Ashu Rani taking an initiative towards the self-reliance of the transgender community by honoring them





Dr. Bhimrao Ambedkar University's community radio 90.4 "Agra Ki Awaaz" and the organization *Rivaaz* are taking an initiative towards the self-reliance of the transgender community by honoring them and providing a platform to showcase their talents.

यनिवर्सिटी में टांसजेंडर सेल को बढ़ावा देने के लिए शरू की आएगी पहल

यूनिवर्सिटी में जल्द बनाई जाएगी ट्रांसजेंडर्स को सेल

of above arksov floofingers at Ohan on ohor A COMMETTER COMM



विश्वविद्यालय में बनेगा टांसजेंडर सेल

जानमा संवाद्यक्ष अमरा: इ. प्रीमरा। अभिकास अभिकास रिकारियालय में ट्रीमर्जिटर रिकारियालय में ट्रीमर्जिटर रिकारियालय को जिल्लाक्षियालय पहुंची उत्तर उदेश अपनाम, राज्य ट्रीमर्जिटर करावेच अपनाम, राज्य ट्रीमर्जिटर करावेच अपनाम, राज्य ट्रीमर्जिटर करावेच अपनाम, राज्य ट्रीमर्जिटर करावेच में द्वारा के प्राथमित करावेच में प्राथमित पर प्राथमित करावेच में प्राथमित पर ट्रीमर्जिटर के उत्याव के हैं करावे में द्वारा रहे करावें में उद्धान के अपनीस की स्थारित की अपनीस की स्थारित की



ते इस्पर्वेतर के उत्थाव के लिए किया जा है कहाँ में जुसने के अधित की उचित्र पत्र देने के साम किया जाता क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र के स्वाप्त के सम्यों के स्वाप्त के सम्यों के स्वाप्त के स्वाप्त के सम्यों के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वाप के स्वाप के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप

ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के कौशल विकास पर जोर

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेड कर विश्वविद्यालय में शिशा का माहौल ट्रासर्जेंडर विद्यार्थियों के अनुकूल बनाया जाएगा। इनके कौशल विकास पर जोर रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने चार सदस्यीय ट्रांसर्जेंडर येल गठित किया है। विश्वविद्यालय है। प्रशासन के का कि कुल्पिया ही, प्रशासन के किया कि कुल्पिया ही, प्रशासन के किया कि कुल्पिया ही, आशु राजी ने ट्रांसर्जेंडर सेल का गठन किया है। समन्वयक ग्री. हेमा पाठक है,

विवि में सेल का गठन किया, यह विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान भी करेगी

का समाधान भी करेगी सदस्यों में प्रो. रनबीर सिंह, डॉ. स्वाती माबुर और पूजा सबसेना हैं। सेल को ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने की जिप्मेदारी थी गई है। सेल विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ बाहर भी गतिविश्यां बढ़ाएगी। उनकी भी समस्याओं का

समाधान कराने में भूमिका निभाएगी। इनके लिए कौशल विकास वाले कुछ पाठ्यक्रम संचालित करने की योजना है। वर्तमान में ट्रांसजेंडर समुदाय के करीब 10 विद्यार्थी अध्ययनत हैं। इनकी संख्या और भी बढ़ें, इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे। 26 फरवरी को विरक्षविद्यालय में आयोजित कर्तकमां में प्रयास किए जाएंगे। 26 फरवरी को विरक्षविद्यालय में आयोजित कर्तकमां में स्वास सलाहकार व सल्ट्या भीई की गूर्स सलाहकार व सल्ट्या में दिवका एस. देवेंद्र मीजूद थीं। ब्यूरो

आई ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की मंत्री देविका एस देवेंद्र , विवि में बताई ट्रांसजेंडर्स के सामने आने वाली चुनौतियां एवं संभावनाएं,रेडियो पर दिया इंटरव्यू





विवि में ट्रांसजेंडर सेल का गढन

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया है। इसमें चार सदस्य शामिल किए गए हैं। सेल विश्वविद्यालय में प्रत्ने वाले ट्रांसजेंडर रेल का गठन किया गया है। इसमें चार सदस्य शामिल किए गए हैं। सेल विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले ट्रांसजेंडर छात्रों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्हें आत्मानिर्गर बनाने की दिशा में कार्य करेगी। कुल्लिव्य डॉ. राजीव कुमार के अनुसार विश्वविद्यालय में सामाजिक समन्यय के तहत ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया। ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया। ट्रांसजेंडर विद्यावियों के शैक्षणिक माहील की अनुकूल बनाने, शैक्षणिक महील की अनुकूल करने, सामाजिक जीवन में आने वाली ट्रंसजिंदरों का समाधान करने, विश्वविद्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविद्याव्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविद्याव्या बढाये जाने एवं करिशल विकास के साथ ही आत्मानर्भर बनाने के लिए सेल का गठन किया गया है।

शैक्षणिक माहौल अनुकूल बनेगा

ट्रांसजेंडर सेल की समन्वयक प्रो. हेमा पाठक को बनाया गया है। वहीं सेल में प्रो. रनवीर सिंह डॉ. स्वाती माथुर, और पुजा सक्सेना शामिल होंगी। कुलपति प्रो. आशु रानी ने सभी सदस्यों को निर्देशित किया है कि वह विवि में टांसजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का ससमय निवारण करना सुनिश्चित

विश्वविद्यालय में बना ट्रांसजेंडर सेल

बर्स असर: हा योगाम अबिहरू कर, करणा अ स्थाप अवद्वार । करवेत्रक्रत में ट्रंमजेट सेत । करित क्रिक्त के सब आर्यों में से ते वा सदस्य बनव स्व का रहन किया गया है। मेल के जाने पर होगाओ यानाम से ट्रांसनेहर विद्यार्थियों के अ**प्री.हेम पटक को** रेत का तिए रीक्षणिक पातित को अनुकृत सम्बद्धक वनाय गया बनारे कीमत निकास और उने आरमीओं बनने पर जेर दिया समुद्रत के 10 विद्यार्थियों के पढ़ने किरविद्यालय के साथ ही बाल भी

वी उनोने कृतको है। बालू रने बनई हो है।

और उनमें संख्या बढ़ाने के लिए। मीडिबीटवं बढ़ाने का साम करेगा। गर्ग हुंचनेहर करवार नेहें प्रयम करने वे जनकार है थे। कुरानिक हा राजे कुमा ने से सहस्व सत्ताकर हैंक्स एस. कुरानि से अनू हमें के निता सात से जिनकीयतान में ट्रेसनेहर रिदे 34 करनों से अन्या आई. ए जिनकेदातान में ट्रेसनेहर सेना विद्यार्थियों से सस्सवार्धि से सन्त

इ.स्की रहा के पूज समेन है। मेन टांगडेटर विद्यार्थि है रीक्षीयक सत्र को मसबत करने मम्बिक वंद्य में अने वर्त दुरवरिषे व समयन करने औ

य निवार प्रतिस्त स्त्री से मुलकत को थी। बुलती ने इसके सम्बद्धक में तेम पठक को कत है। सब ते उनके तिए उन्हें जिनकेवलन में ट्रॉमकेट को बनव नव है। में रनके सिंह, तीक्षणक महीत में अनुसूत होता।

थर्ड जेंडर को अधिकारों के साथ समान नजरिया भी

डॉ. भीमराव अबेडकर युनिवर्सिटी ने खोला ट्रांसजेंडर हेल्प को सेल

AGRA (1 March): जेंदर या लेंगिक पहचान समाज में एक महत्वपूर्ण बात हैं. इस पहचान को सामाजिक मान्यताओं ने दिनों-दिन एक्सा किया और समाज शैंकर को देखने व समझने को तैयार हो गया है. इस कारण है समाज में कहे जेंडर को लेकर जो धारण बनी वह उनकी पहचान पर भी संकट पैच करने वालों यो क्वोंकि कह प्रचलित बादनरी से बाद के लेकिन डॉ. भीमगुब अवेडकर मृत्विसिंटी हैं एक बार फिर वई जेंडर को समाज अधिकारों के साथ जीने का मौका दिवा है. यह जेंडर को सहाया देने के लिए सेल का गुन्डरंभ भी किया गया है. ch): जेंडर समाज में एक AGRA (1 March) :

न्यायालय से मिली कानूनी मान्यता

कोवृत्वी मीव्यता समाज में समान अधिकार के लिए वर्ड जेंडर समुत्तय लेवे समय से संपर्ध कर रहा था. यह संपर्ध सामाविक और संवैधानिक दोनों लगें पर चल रहा था. पहचान के लिए समाज की स्वीकृति और संवैधानिक मान्यता दोनों बहुत



जिले द्वासजेंडर की संख्या यनिवर्गिटी में पद



शैक्षिक अधिकार से मिलेगी मजबूती

सामजिक सामन्य के तात द्वाराजीव र ट्रॉड्स के दिए एड्रोकन वह मार्डेल बनाने के दिए एट संभग्न प्रधान किए जा रहे हैं. के भैमनक अंबाकर दुनिवारिटी की कुलावी हो, अहु जरीने बनका कि उज्यादात अमंदी बेन की साथ के अहुक्त दुनिवारिटी की कुलावी हो, समान नक्षन दिवाने के दिए उनको शैकिक स्था से माजबूत करान है. इसी क्रम में पहली बब दुनिवारिटी कैंपस में ट्रॉडसेटर संक खेल गया है. जब उनकी समस्या का निस्तारण कराय जाएगा, कॉमान में दस ट्रासजेंडर को प्रवेश दिख गया है.

जरुरी थे, इस मामले में 15 अप्रैल फैसले ने थई जेंडर को संवैधानिक 2014 को न्यायालय द्वारा दिए गए अधिकार दे दिए और सरकार को

थर्ड जेंडर को मिलेगी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा

साजाजिक सुरक्षा
श्री-श्री-स्था अवेक्कार प्रतिविद्या श्री-श्री-सं कर्ज कर की मटद के लिए संस्त खोल गया है, जहां आने गाने कई केंद्र की समया की स्वान में लेकर सील्य किया जाएन, इससे पढ़ लिख्य जाएन, इससे पढ़ लिख्य की सम्माज का हिस्सा कर आत्मीनर्भर कन सकेंगे, इससे वह ओकर समुक्ता के लोगों को अविद्या जाएन महिल्य के समित्र कर सामित्र कर स्वानुक्षा के लोगों को अविद्या की मिलेगी ही सबस में उससी पाखान को समाजिक स्वेद्या की मिलेगी ही सबस में उससी पाखान को समाजिक स्वेद्या की मिलेगी ही सबस में उससी पाखान को समाजिक स्वेद्या कि स्वेद कर की प्रतिविद्या की स्वेद अन कर की प्रतिविद्या कि स्वेद कर की प्रतिविद्या की भी अलग करना करना रहा, इसके साम ही परिवाणिक एतं समाजिक स्वेद में भी अलग करना पराह इसके साम ही परिवाणिक पर्य समाजिक स्वेद में भी ब्राज करना परिवार के सामित्र की सील में भी ब्राज करना परिवार की सील में ब्राज कि साम की प्रतिविद्या की सील में परिवार के से लोग में ब्राज हिस्स कर करना के लिए महत्वपूर्ण है,

निर्देशित किया कि वह इन अधिकारों को लागू करने की पहल सुरू करें. उसके खद 5 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद शर्ड डेंडर के अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलन गर्ड

को शैक्षिक माहौल देने के लिए सेल को



दन के लिए सील का शुभारंभ किया गया है, उनका शैक्षिक स्वर मजबूत करने के लिए सामाजिक जीवन में आने वाली युनीतियों को सीरच करने के लिए कीवल विकास के तहत आत्म निर्भर बनाया जाएग.

प्रो. आगु रानी, कुलपति डॉ. भीमतव अंबेडकर यूनिवरिरंटी

अवडापर सुनवस्ता दुनवर्तिटी में ट्रांसजेंडर सेल वस गठन किया गया है, यहां अने वाले स्टूडेटल की समस्या वस सम्माधन किया जाएगा, सेल की निमातनी के लिए भी दिवस



वर्तमान में दस ट्रांसजेंडर पढ़ रहे हैं. राजीव कुमार, कुलसंक्वि द्रांसजेंडर को समाज में बतबर का स्थान मिलन चाहिए, सरकार द्वारा भी इनको बढ़ाव देने के लिए







